MR. CHAIRMAN: I know, ये भी हैं। डा. मनमोहन सिंह जी भी हैं, वेणुगोपाल जी भी हैं।

श्री मुकुल बालकृष्ण वासनिक: सभापति महोदय, नीरज डांगी ऑथेंटिक हैं, हम ऑफिशियल हैं।

श्री सभापति: मैं सोच रहा था कि प्रमोद तिवारी जी मुझे प्रोटेक्शन देंगे, मुझ पर मक्खन खाने का आरोप लगा है।

श्री प्रमोद तिवारी: सर, आप इसको अदरवाइज़ न लें।

श्री सभापति: श्री अजय प्रताप सिंह।

श्री घनश्याम तिवाड़ी: सर, मुझे अपनी बात पूरी करने दें। मैं यह कह रहा था कि आप यहाँ तक पहुँचे, यह राजस्थान का सौभाग्य तो है ही, किठाना गाँव से आप यहाँ तक पहुँचे। मुझे आपकी पूरी यात्रा का पता है, तो आप यह कैसे कह सकते हैं कि सोशल इंजीनियरिंग नहीं है! सोशल इंजीनियरिंग के बारे में तो यह कहा गया कि जेली गाड़ दी। जाट जेली गाड़ देता है, आपने यहाँ भारत के सभा गृह में आकर जेली गाड़ दी है।

MR. CHAIRMAN: The following Members associated themselves with the issue raised by Shri Rajeev Shukla: Dr. Amar Patnaik (Odisha), Shri Abir Ranjan Biswas (West Bengal), Shrimati Vandana Chavan (Maharashtra), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Santanu Sen (West Bengal), Shri Sujeet Kumar (Odisha), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Dr. John Brittas (Kerala), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Shri Kanakamedala Ravindra Kumar (Andhra Pradesh), Shri Sandosh Kumar P (Kerala), Shri Sanjeev Arora (Punjab) and Dr. V. Sivadasan (Kerala).

Shri Ajay Pratap Singh. Request for changing name of Sanjay Gandhi National Park and Tiger Reserve in Madhya Pradesh.

Demand to change the name of Sanjay Gandhi National Park and Tiger Reserve situated in Sidhi, Madhya Pradesh

श्री अजय प्रताप सिंह (मध्य प्रदेश): सभापति महोदय, परसों आपने आसंदी से शेक्सपियर को उद्धृत करते हुए कहा था कि नाम में क्या रखा है, फिर आपने ही समाधान दिया कि आज के दौर में नाम का बड़ा महत्व है। सभापति महोदय, मध्य प्रदेश एक टाइगर स्टेट है। मध्य प्रदेश में स्थित मेरा गृह जिला, सीधी प्राकृतिक संपदा और प्राकृतिक विशेषताओं से भरपूर है। सीधी जिले के बरगड़ी जंगल में पनघोरा ग्राम के पास 27 मई, 1951 को विश्व का पहला सफेद बाघ तत्कालीन रीवा महाराज मार्तण्ड सिंह जी ने पकड़ा था। फिर उन्होंने उसका पालन-पोषण किया। उन्होंने उसका नामकरण 'मोहन' किया। महोदय, वहाँ के कर्मचारी उस बाघ को आदर से 'मोहन सिंह'

कहते थे। मोहन सिंह ने 'राधा' नामक बाघिन के साथ संसर्ग से 34 बाघ शावक उत्पन्न किये। उन 34 बाघ शावकों में से 21 बाघ शावक सफेद रंग के थे। उन्हीं की संतति अमेरिका गयी, उन्हीं की संतति इंग्लैंड के ब्रिस्टल ज़ू में भी गयी और आज दुनिया में जितने भी सफेद बाघ हैं, सब मोहन सिंह के ही वंशज हैं। मोहन सिंह की मृत्यु 1969 में हुई। विंध्य की धरती पर 'विराट' नामक सफेद बाघ अन्तिम सफेद बाघ था, उसके बाद कोई सफेद बाघ वहाँ पर नहीं रह गया।

(**उपसभापति महोदय** *पीठासीन हुए।*)

महोदय, इसी मोहन के ऊपर वर्ष 1987 में डाक टिकट भी जारी किया गया था। वर्ष 2015 में रीवा में मुकंदपुर सफारी में दोबारा सफेद बाघ को एक कैप्टिव ज़ू में रखा गया था। आज उस ज़ू में 3 सफेद बाघ हैं और 4 सामान्य बाघ हैं। 2016 में यहाँ पर जो 26 जनवरी की परेड हुई थी, उस परेड में भी मोहन बाघ की झांकी प्रस्तुत की गयी थी।

महोदय, मैं बड़ी विनम्रता के साथ कहना चाहता हूँ कि मोहन की जो जन्मभूमि थी, मातृभूमि थी, वर्तमान में उस टाइगर रिजर्व का नाम स्वर्गीय संजय गांधी जी के नाम के ऊपर है। मैं स्वर्गीय संजय गांधी जी के प्रति बड़ा आदर भाव व्यक्त करते हुए सदन में यह कहना चाहता हूँ कि उनकी स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए आज भारत में अनेक संस्थाएँ हैं। इसलिए मोहन की स्मृति को बनाए रखने के लिए ...(**समय की घंटी**)... ...(**व्यवधान**)... संजय गांधी टाइगर रिजर्व का नाम परिवर्तन कर मोहन सिंह के नाम पर रखा जाए।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Zero Hour matter raised by the hon. Member, Shri Ajay Pratap Singh: Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik (Maharashtra), Dr. Amar Patnaik (Odisha), Shri Abir Ranjan Biswas (West Bengal), and Dr. Sasmit Patra (Odisha).

धन्यवाद। ...(**व्यवधान**)... धन्यवाद, अजय जी। ...(**व्यवधान**)... माननीय अजय जी, आपका समय खत्म हुआ। माननीय श्री जग्गेश जी।

Demand to include Implantable Cardioverter Defibrillator (ICD) in Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana

SHRI JAGGESH (Karnataka): Mr. Chairman, Sir, an arrhythmia is any disorder of human heart rate or rhythm. It means that the heart beats too quickly, too slowly, or with an irregular pattern. This disorder results from problems in the electrical system of the heart. If this disorder is serious, a patient may need a cardiac pacemaker or an implantable cardioverter defibrillator (ICD). They are devices that are implanted in chest or abdomen, which control abnormal heart rhythms. It uses electrical pulses to make the heart to beat at a normal rate. If it senses dangerous rhythms, it delivers shocks. This treatment is called defibrillation. An ICD can help control life-threatening